Total Pages : 8

1381/R

I Year Arts Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–I

(काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(i) हरिऔध किस युग के कवि हैं?

(ii) 'चित्रकूट में राजसभा' में किस पात्र की आत्मपीड़ा का प्रमुखता से वर्णन किया गया है?

इकाई-II

(iii) 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता के रचनाकार का नाम लिखिए।

(iv) अरविंद दर्शन से प्रभावित सुमित्रानंदन पंत की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

इकाई-III

(v) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो प्रिय प्रतीकों के नाम लिखिए।

(vi) 'बादल राग' नामक कविता के रचयिता का नाम लिखिए।

इकाई-IV

(vii) पाठ्यक्रम में संकलित रामधारी सिंह दिनकर की किन्हीं दो कविताओं के नाम लिखिए।

(viii) "कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।" काव्य पंक्तियों के रचनाकार का नाम लिखिए।

इकाई-V

(ix) दोहा छंद के लक्षण लिखिए।

(x) छायावाद के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जाना जाता मरम विधि के बंधनों का नहीं है।

तो भी होगा उचित चित्त में यों प्रिये सोच लेना।।

होते जाते विफल यदि हैं सर्व-संयोग-सूत्र।

तो होवेगा निहित इसमें श्रेय का बीज कोई।।

अथवा

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पर रघुकुल में जो वचन दिया जाता है,

लौटा कर वह कब कहाँ लिया जाता है।

क्यों व्यर्थ तुम्हारे प्राण खिन्न होते हैं,

वे प्रेम और कर्तव्य भिन्न होते हैं?

जाने दो, निर्णय, करें, भरत ही सारा-

मेरा अथवा है कथन यथार्थ तुम्हारा।

मेरी इनकी चिर पैच रहीं तुम मानता,

हम दोनों के मध्यस्थ आज ये भ्राता।।

इकाई-II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आज भी पेशोला के

तरल जल मंडलों में

वही शब्द घूमता-सा-

गूँजता विकल है।

किंतु वह ध्वनि कहाँ?

गौरव की छाया पड़ी है माया प्रताप की

वही मेवाड़

किंतु आज प्रतिध्वनि कहाँ?

अथवा

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हाय मृत्यु का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन?

जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन।

स्फटिक सौध में हो शृंगार मरण का शोभन,

नग्न, क्षुधातुर, वास विहीन रहे जीवित जन?

मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?

आत्मा का अपमान, प्रेत औ छाया से रति!!

इकाई-III

6. महादेवी को आधुनिक मीराँ क्यों कहा जाता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

अथवा

7. 'गहन है यह अंधकारा' कविता का भावार्थ लिखिए।

इकाई IV

8. प्रतिशोध कविता का सारांश लिखिए।

अथवा

9. नदी के द्वीप कविता में कवि क्या संदेश देना चाहता है?

इकाई-V

10. प्रयोगवादी काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

11. निम्नलिखित छंदों के लक्षण व उदाहरण लिखिए-

(i) गीतिका

(ii) मंदाक्रांता

खण्ड-स

इकाई-I

12. मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व व कृतित्व का वर्णन कीजिए।

इकाई-II

13. सुमित्रानंदन पंत के काव्य में वर्णित प्रकृति के विविध रूपों का वर्णन कीजिए।

इकाई-III

14. निराला की कविताओं का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

इकाई-IV

15. रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविताओं में वर्णित राष्ट्रीय चिंतन का वर्णन कीजिए।

इकाई-V

16. निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण व उदाहरण लिखिए-

(i) उपमा

(ii) भ्रांतिमान

(iii) तद्गुण